पैकिंग सामग्री की खरीदों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार, आयातित पैकिंग सामग्री के उपयोग पर प्रतिबंध लगा कर, स्वदेशी सामग्री के प्रयोग को बढ़ावा देने का विचार रखती है यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देब) : (क) से (ग) जानकारी एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

रेल गाड़ी से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि

1836. **श्री जिनेन्द्र कुमार जैन :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेल गाड़ियों द्वारा यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में वार्षिक वृद्धि की अनुमानित दर कितनी है;

(ग) क्या यात्रियों की संख्या में हुई इस वृद्धि के कारण उत्पन्न मांग को पूरा करने के लिए सरकार ने रेल गाड़ियों की संख्या में भी वृद्धि की है;

(घ) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान यात्रियों की संख्या में प्रति वर्ष कितनी वृद्धि हुई है और इस मांग को पूरा करने के लिए औसतन कितनी रेल गाड़ियां बढ़ाई गई हैं; और

(ङ) क्या सरकार ने चालू वर्ष और आगामी वर्षों के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या की आवश्यकता को पूरा करने के लिए कोई प्रभावी कार्य योजना तैयार की है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) से (ङ) एक विवरण संलग्न है ।

विवरण

यात्री यातायात की बढ़ती हुई मांगों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त यात्री गाड़ियां चलाई जाती हैं; लेकिन यह परिचालनिक व्यावहारिकता तथा वास्तविक एवं योजना संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करता है ।

पिछले तीन वर्षों के दौरान यात्रियों की संख्या में वर्षवार वृद्धि/कमी तथा यात्री गाड़ियों की दैनिक औसत संख्या इस प्रकार रही:—

वर्ष	पिछले वर्ष की तुलना में यात्रियों की संख्या में वृद्धि (+)/कमी (−) (मिलियन में)	पिछले वर्ष की तुलना में चलाई गई गाड़ियों की दैनिक औसत संख्या में वृद्धि
1988–89	−292	126
1989–90	+153	178
1990–91	+189	10

1989-90 की तुलना में 1990-91 में गाड़ियों की संख्या में कम वृद्धि इसलिए हुई क्योंकि खाड़ी संकट तथा देश में कानून और व्यवस्था की खराब स्थिति के कारण बहुत सी यात्री गाड़ियों को रद्द करना पड़ा ।

दिल्ली प्रशासन द्वारा सरकारी आवास का आवंटन

1837. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा

क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली प्रशासन, मकानों के पात्र व्यक्तियों को मकानों का आवंटन करता है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1990 के दौरान, और जून, 1991 तक क्रमशः कितने-कितने मकान आवंटित किए गये;

(ग) उपर्युक्त मकानों में से कितने मकान पारी के आधार पर आवंटित किए गए और क्या यह भी सच है कि मकानों के आवंटन में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गई हैं; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार अनियमित ढंग से आवंटित किए गए मकानों के मामलों पर पुनर्विचार करने का विचार रखती है ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

News items under caption "Export for Expansion of Irrigation"

1838. SHRI RAM JETHMALANI:
SHRI RANJIT SINGH:

Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news-item published in the 'Hindustan Times' dated 13th June, 1991; under the caption "Export for expansion of irrigation";

(b) if so, whether it is a fact that in the study report submitted by the eminent economist, Dr. S. P. Gupta it has been termed as essential to increase the irrigation capacity of the country;

(c) if so, what is Government's reaction in this regard;

(d) whether Govt. have decided to implement any projects to increase the irrigation capacity in the country in the coming years; and

(e) if so, what are the details thereof and as per the decision taken so far what targets have been fixed for generating the irrigation capacity in the country and by when this target would be achieved?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI VIDYACHARAN SHUKLA): (a) and (b) Yes, Sir. Dr. Gupta has suggested that for meeting the food requirement of 240 m T by the year 2000 A.D., the irrigation potential is to be increased to 100 m. ha.

(c) Since the start of planned development in 1950-51, when irrigation potential was 22.61 m.ha., greater emphasis was given for increasing irrigation facilities in the country. As a result, irrigation potential at the end of VII Plan has increased to 79.4 m.ha. At the present growth rate of expansion of irrigation facilities, the potential that will be created by the end of the year 2000 is expected to be more than 100 m.ha.

(d) Since the commencement of the First Five Year Plan, 264 major and 1088 medium irrigation projects have been taken up for construction with a view to enhance the irrigation facilities in the country. At the end of VII Plan, there were 168 major and 288 medium on-going irrigation projects. Priority has been given to the completion of the on-going projects.

(e) The anticipated achievement of irrigation potential during 1990-91 was 2.85 m.ha. and the target for creation of irrigation potential during 1991-92 is 2.78 m.ha. VII Plan proposals have not been finalised.

"फेलियर आफ डेल्ही डेवलपमेंट अथारिटी हाइलाइटेड" शीर्षक से समाचार

1839. श्री राम जेठमलानी :
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान "दि हिन्दुस्तान टाइम्स" में 18 जुलाई, 1991 "फेलियर आफ डेल्ही डेवलपमेंट अथारिटी हाइलाइटेड" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है और यदि हां, तो क्या दिल्ली विकास प्राधिकरण के इंजी-